

प्रेषक,

विनोद फोनिया,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

रेशम विकास विभाग,

प्रेमनगर-देहरादून।

3
23/2

उद्घान एवं रेशम अनुभाग:-2

देहरादून: दिनांक 21 फरवरी, 2011

विषय:-वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-29 के आयोजनेत्तर योजना की मद 24-वृहत निर्माण कार्य के अन्तर्गत रेशम निदेशालय देहरादून में सी0सी0रोड के अवशेष स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-2198/रेशम/तक0अनु0/2010-11 दिनांक 27/12/2010 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि रेशम निदेशालय देहरादून के सी0सी0रोड निर्माण कार्य हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में विभागीय अनुदान संख्या-29 के आयोजनेत्तर योजना 0701-अधिष्ठान के अन्तर्गत 24-वृहत निर्माण कार्य हेतु कुल अनुमोदित लागत ₹6.93 लाख सापेक्ष तथा शासनदेश संख्या-04/XVI-2/11/7(1)/10 दिनांक 3 मार्च, 2010 द्वारा ₹5.00 लाख के सापेक्ष अतिरिक्त अवशेष ₹1,93,000.00 (₹ एक लाख तिरानब्बे हजार मात्र) की धनराशि निम्नांकित शर्तानुसार व्यय हेतु आपके निर्वतन में रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1- यह धनराशि जनपद देहरादून में रेशम निदेशालय के सी0सी0रोड के निर्माण हेतु मूल्य के सापेक्ष आवश्यक शेष भुगतान के लिए व्यय की जायेगी।

2- उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-267/XXVII(1)/2008, दिनांक-27 मार्च, 2008 में दिये गये दिशा-निर्देशों तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

3- किसी भी शासकीय व्यय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिष्ठादन नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 आय व्यय सम्बन्धी नियम शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

4- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

5- व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।

6- व्यय की सूचना प्रपत्र बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जाय।

7- योजनावार स्वीकृत धनराशि का व्यय सम्बन्धित योजना के संगत दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही की जायेगी। किसी भी दशा में संगत दिशा-निर्देशों से इतर कार्यवाही नहीं की जायेगी।

..2/-

8- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-29 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2401-फसल कृषि कर्म-119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-07-शहतूत की खेती एवं रेशम विकास-0701-अधिष्ठान के अन्तर्गत-24- वृहत निर्माण कार्य मद में प्राविधानित की गई बजट व्यवस्था के नामे डाला जायेगा।

9- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-251(P)/XXVII-4/2008 ,दिनांक-13 फरवरी, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(विनोद फोनिया)
सचिव।

संख्या- (1)/XVI-2/11/7(1)/10, तददिनांक:

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 3- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 4- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय/राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड।
- 5- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
- 6- वित्त अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
- 8- परियोजना प्रबन्धक उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून।
- 9- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(के० पी० पाटनी)
अनु सचिव।